कोटपूतली के चांदौली की ढाणी के पास करन्ट लगने से एक पैंथर की मौत हो गई। वन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि, संभवतः बकरी का शिकार करते वक्त पैंथर बिजली की लाइन के सम्पर्क में आ गया।

अपने ही कमीशनखोर मंत्री को बर्खास्त किया मु.मंत्री भगवंत मान ने

मुख्यमंत्री ने स्वास्थ्य मंत्री विजय सिंगला को बुलाकर कॉल रिकॉर्डिंग सुनाई तो रोने लगे मंत्री

■ स्वास्थ्य विभाग के एक अधिकारी ने मुख्यमंत्री के पास जाकर विजय सिंगला की शिकायत की और अपनी सुरक्षा का आश्वासन मांगा तो मुख्यमंत्री ने कहा कि आपके पास कोई सबूत है तो लाओ।

■ स्वास्थ्य अधिकारी ने तुरंत कॉल रिकॉर्डिंग सबूत के तौर पर पेश कर दी। उसके मुख्यमंत्री भगवंत मान ने तुरंत मंत्री को बुलाकर उनसे सफाई मांगी और कॉल रिकॉर्डिंग सुनाई।

चंडीगढ़, 24 मई। भ्रष्टाचार के आरोप में घिरे पंजाब के पूर्व स्वास्थ्य मंत्री डा. विजय सिंगला को आज मुख्यमंत्री भगवंत मान ने मंत्रिमंडल से बर्खास्त कर दिया। सिंगला पर टेंडर और वर्क ऑर्डर की एवज में कमीशन मांगने का आरोप लगा है।

मुख्यमंत्री भगवंत मान ने सिंगला के खिलाफ यह कार्रवाई स्वास्थ्य विभाग के एक अधिकारी की शिकायत पर की। स्वास्थ्य विभाग के एक अधिकारी ने खुद जाकर मुख्यमंत्री से मंत्री सिंगला की शिकायत की थी तो मुख्यमंत्री ने उनसे सबूत मांगा। मुख्यमंत्री के पास पहुंची ऑडियो रिकॉर्डिंग में सिंगला एक व्यक्ति से कह रहे हैं कि उन्हें अपने भतीजे को शुकराना (मतलब कमीशन) देना चाहिए। मुख्यमंत्री मान ने कहा कि, हमारे पास मंत्री के खिलाफ सबूत हैं। इसके बाद उन्हें पद से बर्खास्त कर दिया गया। उधर, मोहाली की अदालत ने विजय सिंगला को तीन दिन की पुलिस रिमांड पर भेज दिया है।

मुख्यमंत्री भगवंत मान ने सिंगला को रिकॉर्डिंग सुनाई और पूछा यह आवाज आपकी है, बोले-हां और गलती मानकर रोने लगे। सरकार के सूत्रों ने बताया कि मंत्री स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग में निविदा के आवंटन के लिए बठिंडा निवासी से कमीशन को कहकर शुकराना की मांग कर रहे थे। स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग के एक अधिकारी ने कथित तौर पर मुख्यमंत्री भगवंत मान से मामले को लेकर संपर्क किया।

मुख्यमंत्री ने अधिकारी को उसकी सुरक्षा का आश्वासन दिया और पूरे मामले से संबंधित सबूतों की मांग की। मुख्यमंत्री के आश्वासन के बाद संबंधित स्वास्थ्य अधिकारी ने सभी सबूत मुख्यमंत्री को उपलब्ध कराए। साथ ही मुख्यमंत्री को स्वास्थ्य मंत्री के साथ बैठक की ऑडियो रिकॉर्डिंग स्वास्थ्य अधिकारी ने उपलब्ध कराई। इसके बाद मुख्यमंत्री भगवंत मान ने डॉ. सिंगला और उनके विभाग के मामलों में उनके व्यवहार के बारे में गहन जांच कराई। जिसके बाद मुख्यमंत्री मान ने मंत्री को पूछताछ के लिए बुलाया। जहां मुख्यमंत्री ने सिंगला के सामने ऑडियो रिकॉर्डिंग चलाई।

सिंगला को पद से बर्खास्त करने के बाद गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तारी के बाद मोहाली कोर्ट में पेश किया गया। कोर्ट ने उन्हें 27 मई तक के लिए पुलिस रिमांड में भेज दिया है।

पूर्व स्वास्थ्य मंत्री विजय सिंगला को आज बर्खास्त किए जाने के बाद पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने कहा कि उन्होंने स्वास्थ्य मंत्री को राज्य मंत्रिमंडल से बर्खास्त कर दिया है। सिंगला को पंजाब पुलिस के भ्रष्टाचार निरोधक सेल ने मामले में कार्रवाई करते हुए गिरफ्तार कर लिया है। सी.एम. मान ने कहा था कि स्वास्थ्य मंत्री भ्रष्टाचार के मामलों में लिप्त हैं और उनके पास इसके सबूत हैं। वह कथित तौर पर एक टेंडर में रिश्वत मांग रहे थे।

कश्मीर में कांस्टेबल की आतंकियों ने गोली मार कर हत्या की

■ इस मौके पर पुलिस कांस्टेबल के साथ मौजूद उनकी सात वर्षीय बेटी गम्भीर रूप से घायल हो गई।

श्रीनगर, 24 मई (वार्ता)। जम्मू-कश्मीर में मंगलवार को आतंकवादियों के हमले में एक पुलिसकर्मी शहीद हो गया और उसकी पुत्री घायल हो गयी। अधिकारियों ने बताया कि यह आतंकवादी हमला अंचार सौरा इलाके में हुआ।

पुलिस ने एक ट्वीट में कहा, आतंकवादियों ने सौरा (अंचार) इलाके के मलिक साब निवासी पुलिसकर्मी सैफुल्ला कादरी पर फायरिंग की जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गये। इस हमले में उनकी पुत्री भी घायल हुई है।

आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि घायल पुलिसकर्मी को एसकेआईएम एस अस्पताल ले जाया गया जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने हालांकि अभी पुलिसकर्मी के शहीद होने की पुष्टि नहीं की है।

करन्ट लगने से पैंथर की मौत

■ वन विभाग ने पोस्टमार्टम करवाकर अंतिम संस्कार किया।

कोटपूतली, 24 मई (निसं)। कस्बे की निकटवर्ती ग्राम पंचायत टोरडा गुजरान के चांदौली की ढाणी बण्यातैली व कांकड़ के बीच सोमवार को 33 केवी विद्युत लाइन के खम्भे से करंट लगने से एक नर पैंथर की मौत हो गई।

बताया जा रहा है कि पैंथर बकरी का शिकार करने के लिए आया था, जो कि करन्ट लग जाने से बकरी के साथ ही मृत पाया गया। ग्रामीण शीशराम डोई ने जानकारी देते हुए बताया कि मामले को लेकर वन विभाग के अधिकारियों को सूचना दी थी लेकिन सोमवार रात्रि तक कोई भी अधिकारी मौके पर नहीं पहुंचा।

बताया जाता है कि ग्रामीण गिरिराज गुर्जर की बकरियां सोमवार को जंगल में चरने गई थी। उनमें से एक बकरी वापस नहीं लौटी इस पर ग्रामीणों ने मौके पर पहुंचकर देखा तो विद्युत लाईन के खम्भे की तान में मृत पैंथर व बकरी फंसे हुए थे। अनुमान लगाया जा रहा है कि शिकार के लिए पैंथर के बकरी के पीछे दौड़ते समय करन्ट लगने से उनकी मृत्यु हुई होगी।

मंगलवार को वन विभाग की टीम मृत पैंथर के शव को कस्बे के रेंज कार्यालय परिसर लाई। जहां विभिन्न विभागों की टीम ने पैंथर के शव का पोस्टमार्टम कर पंचनामा किया और पैंथर का अंतिम संस्कार किया। इस दौरान रेंजर सीताराम, वनपाल हरदान सिंह, लालाराम यादव, रमेश चंद सैनी, डॉ. हरिश गुर्जर, डॉ. कैलाश चंद शर्मा, डॉ. विजयपाल सिंह, तहसील कार्यालय के कार्मिक बृजमोहन सिंह, सुण्डाराम गुर्जर, बिहारी लाल व वन रक्षक खेताराम गुर्जर सहित अन्य लोग मौजूद थे।

'रणदीप...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अगर कांग्रेस एकजुट होकर चुनाव लड़ती है, तो पार्टी राज्यसभा की चार में से तीन सीटें जीत सकती है, वरना दो तो जीत ही लेगी।

भाजपा का विकल्प तो सुरजेवाला के लिये खुला ही है तथा देखना यह है कि ऊँट किस करवट बैठता है।

बताया जाता है कि उन्हें मीडिया विभाग से हटाने के लिये पूरी-पूरी तैयारी हो चुकी है क्योंकि जिस तरह से मीडिया विभाग चलाया जा रहा है, उन तौर-तरीकों की बहुत आलोचना हो रही है।

ऐसा प्रतीत हो रहा है कि राहुल गांधी जैसे जिद्दी व्यक्ति भी आखिर इस बात पर सहमत हो गये हैं, कि सुरजेवाला को बदल दिया जाए।

जहाँ सोनिया गांधी कोई निर्णय लेने में काफी समय लगाती हैं लेकिन राहुल गांधी अपने नजदीकी लोगों को बचाने के लिये अड़ जाते हैं और फिर वे ना तो उसके कामकाज एवं उसके प्रदर्शन की परवाह करते हैं और न वे इस बात पर ध्यान देते हैं कि वे कुछ कर भी रहे हैं या नहीं।

उनकी नीति है- मेरा आदमी सबसे अच्छा आदमी है लेकिन यह देखने की प्रतीक्षा है कि उनकी यह नीति सुरजेवाला पर लागू होती है अथवा नहीं।

पंजाब के हरिके बैराज से इंदिरा गांधी नहर में पानी छोड़ा

प्रदेश के 17 जिलों को पानी मिलेगा

■ दो महीने के नहर क्लोज़र और मरम्मत के कारण 7-8 दिन देर से पानी छोड़ा गया।

■ जोधपुर, जहां 8 दिन का पानी ही शेष है, में 4 जून से पानी की आपूर्ति हो सकेगी।

जोधपुर, 24 मई (कासं)। पश्चिमी राजस्थान की प्यास बुझाने वाली इंदिरा गांधी नहर में अब पंजाब के हरिके बैराज से सोमवार की रात को पानी छोड़ा गया है। दो महीने के नहर क्लोजर और एक स्थान पर हुई टूट फूट के कारण पानी 7-8 दिन लेट छोड़ा गया है। हरिके बैराज से छोड़ा गया पानी प्रतिदिन 70-80 किलोमीटर की यात्रा तय कर 2-4 जून तक जोधपुर पहुंचेगा। इस पानी से जोधपुर के अलावा राजस्थान के 17 जिलों की प्यास बुझती है। रात को पंजाब सरकार के आदेश पर पानी को छोड़ा गया। फिलहाल जोधपुर में पानी की भंयकर किल्लत है। यहां अब हर तीसरे- चौथे दिन पानी की सप्लाई की जा रही है। जलदाय विभाग डिग्गियों में बचे पानी से शहरवासियों की प्यास बुझाने में लगा है। उधर कायलाना झील में भी आठ दिन का पानी शेष है। ऐसे में पेयजल संकट और गहरा सकता है। अभी नहरी पानी के लिए 4 जून तक इंतजार करना पड़ेगा।

शहर के लोगों को अगले कुछ दिन तक पानी को सहेज कर काम लेना होगा। इंदिरा गांधी नहर के क्लोजर के साठ दिन से थोड़ा लंबा होते ही जोधपुर में शुरू हुए पेयजल संकट से फिलहाल राहत मिलने के आसार कम ही नजर आ रहे हैं। नहर के जरिये हिमालय का पानी जोधपुर पहुंचने के बावजूद अगले कुछ दिन तक जोधपुर शहर में तीन दिन में एक बार जलापूर्ति की व्यवस्था जारी रहेगी, ताकि खाली होने की कगार पर पहुंच चुके शहर के प्रमुख जलाशयों कायलाना व तखतसागर में कुछ पानी आपात स्थिति के लिए एकत्र किया जा सके। पंजाब में नहर की मरम्मत का कार्य युद्ध स्तर पूरा हो गया है।

टास्क...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पॉलिटिकल अफेयर्स कमेटी का गठन किया गया है, जिसकी अध्यक्ष सोनिया गांधी होंगी। भारत जोड़ो यात्रा के लिए तीसरी कमेटी का गठन किया गया है, जिसमे सचिन पायलट को सदस्य बनाया गया हैं।

मजेदार बात यह है कि आज घोषित तीनों कमेटियों में अशोक गहलोत को कोई स्थान नहीं दिया गया है।

राहुल फिर...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

जेरेमी कॉर्बिन कश्मीर भारत के अलग होने की खुल्ली वकालत कर रहे हैं।" इसके जवाब में सुरजेवाला ने भी एक फोटोग्राफ ट्वीट कर दिया, जिसमें मोदी, कॉर्बिन के साथ दिखाई दे रहे हैं तथा मीडिया से कहा कि इन दोनों व्यक्तियों को पहचानें। इसके साथ ही सुरजेवाला ने भी वही प्रश्न दाग दिया, जिसके लिये राहुल गांधी पर भाजपा आरोप लगा रही हैं।

सुरजेवाला ने कहा, "कुल मिलाकर, क्या मैं भी मीडिया के मित्रों से नीचे की तस्वीर में दिखाई दे रहे इन दोनों व्यक्तियों को पहचानने के लिये कह सकता हूँ तथा उनसे वही सवाल कर सकता हूँ? क्या इसका मतलब यह है कि प्रधानमंत्री ने भारत के विषय में जैरेमी कॉर्बिन के विचारों का समर्थन कर दिया है?

यह संभावित प्रतीत हो रहा है कि आगामी सप्ताहों और महीनों में भाजपा और कांग्रेस के बीच सोशल मीडिया लड़ाई जोर पकड़ जाये, क्योंकि देश की सबसे पुरानी पार्टी ने अब सुराग लगाने के क्षेत्र में आगे बढ़ना शुरु कर दिया है, जिसमें वह अब तक पिछड़ रही थी।

पत्नी करती थी बेरहमी से पिटाई

बेटे के सामने रोज क्रिकेट बैट और तवे से मारती थी

■ पीड़ित पति ने पत्नी की सच्चाई सामने लाने के लिए घर में कैमरा लगा दिया।

■ पीड़ित व्यक्ति, जो एक स्थानीय स्कूल में प्रिंसिपल है, की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज किया और कोर्ट ने पीड़ित प्रिंसिपल को सुरक्षा मुहैया कराने का आदेश दिया है।

अलवर, 24 मई। महिलाओं के खिलाफ घरेलू हिंसा के केस अक्सर सामने आते रहते हैं, लेकिन अलवर में इसके ठीक इसके उलट मामला सामने आया है। मामला पत्नी के द्वारा पति को पीटे जाने का है। पत्नी अपने पति की बेरहमी से पिटाई करती थी कभी तवे से तो कभी क्रिकेट बैट से पति की रोज पिटाई होती थी और बचने के लिए पति पूरे घर में भागता फिरता था।

पीड़ित पति ने पत्नी की सच्चाई सामने लाने के लिए घर में कैमरा लगा दिया। कैमरा फुटेज मिलने के बाद पति ने मुंह खोला और पत्नी की सारी करतूत पुलिस को बता दी। मामला दर्ज होने के बाद कोर्ट ने पति को सुरक्षा उपलब्ध कराने का आदेश दिया है। मामला भिवाडी का है। पीडित पति अजीत स्कूल में प्रिंसिपल है। पति की पिटाई का वीडियो भी सामने आया है। इस वीडियो में साफ नजर आ रहा है कि पत्नी सुमन अपने प्रिंसिपल पति की जमकर पिटाई कर रही है। पीडित फुटेज में हाथ भी जोड रहा है।

खास बात यह है पत्नी अपने बेटे के सामने ही पति को पीटती है। कई फुटेज में पति-पत्नी के अलावा उनका बेटा भी दिख रहा है। पिता की पिटाई के दौरान वह डरा-सहमा नजर आ रहा है। पीडित प्रिंसिपल ने घरेलू हिंसा की शिकायत भिवाडी पुलिस को दी है।

कुतुब मीनार...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

हरिशंकर जैन उस समय साकेत जिला न्यायालय पहुँचे थे, जब सिविल कोर्ट ने उनकी याचिका को इस आधार पर खारिज कर दिया था कि यह याचिका/मुकदमा "पूजा स्थल अधिनियम, 1991 के तहत निषिद्ध है।

सिविल जज ने यह भी कहा था कि अतीत की गलतियाँ वर्तमान शान्ति को भंग करने का आधार नहीं बन सकती तथा अगर इसकी अनुमति दी जाती है तो संविधान के ताने-बाने तथा पंथ-निरपेक्ष चरित्र को क्षति पहुँचेगी।

एडीजे ने कहा कि परिसर में मूर्तियों का अस्तित्व विवाद में शामिल नहीं है। उन्होंने यह जानना चाहा कि क्या अपीलार्थियों को इस मुकदमें को दायर करने का कानूनी अधिकार है।

जज ने कहा, "अब आप इस इमारत को मंदिर में बदलना चाहते हैं, जिसे आप पुन:प्रतिष्ठा कह रहे हैं, मेरा प्रश्न है कि यह मानते हुए ये ये 800 साल पहले यह अस्तित्व में थे, आप यह दावा कैसे करेंगे कि वादियों को यह मुकदमा दायर करने का कानूनी अधिकार है? इसे सहजता से लें कि देवी-देवता पिछले 800 सालों से पूजा के बिना ही रहे है। इन्हें ऐसे ही आगे भी बने रहने दें।"

कश्मीर से 8 आतंकी सहयोगी गिरफ्तार

सुरक्षाबलों ने कहा कि, आतंकियों के खिलाफ हमने इतनी कड़ी कार्रवाई की है कि, उनके पास राइफल व गोला-बारूद नहीं बचा है आतंकी अब पिस्तौलों के भरोसे रह गये हैं

श्रीनगर, 24 मई (वार्ता)। जम्मू कश्मीर के अंवतीपोरा उपजिला में सुरक्षा बलों ने आतंकवादी संगठन जैश-ए-मोहम्मद समूह का भंडाफोड़ कर उनके आठ सहयोगियों को गिरफ्तार किया है।

पुलिस मंगलवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि प्रारंभिक जांच में गिरफ्तार ये लोग जैश के आतंकवादियों को सरंक्षण देने तथा क्षेत्र में रसद और गोला-बारुद पहुंचाने का काम करते थे।

पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि विशेष सूचना के आधार पर आतंकवादी सहयोगियों को गिरफ्तार किया गया और कई संदिग्धों को हिरासत में लिया गया है। जिसके बाद सुरक्षा बलों ने अवंतीपोरा में संचालित इस मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया।

प्रवक्ता ने बताया कि गिरफ्तार लोगों की पहचान मुश्ताक अहमद डार, अशफाक अहमद डार, मंजूर अहमद डार, फयाज अहमद राथर, शब्बीर अहमद राथर, मोहम्मद लतीफ राथर, शिराज अहमद मीर तथा वसीम अहमद भट के रूप में हुई है और ये सभी अवंतीपोरा निवासी हैं। इनके पास से आपत्तिजनक सामग्री, गोलाबारुद और वाहन भी जब्त किये गए हैं।

प्रवक्ता ने कहा, प्रारंभिक जांच से पता चला है कि गिरफ्तार आतंकवादी सहयोगी जैश-ए-मोहम्मद के दो सक्रिय आतंकवादियों मोंगामा निवासी आसिफ शेख और सैयदाबाद पस्तूना त्राल निवासी एजाज भट के दो सक्रिय आतंकवादियों को आश्रय, रसद और हथियार तथा गोला-बारूद पहुंचाने का काम करते थे। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया और कार्रवाई जारी है। कश्मीर में आतंकवादी अब अशांति फैलाने के लिए भारी-भरकम स्वचालित राइफल की जगह पिस्तौल जैसे हथियारों का इस्तेमाल बड़े पैमाने पर कर रहे हैं। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी।

पुलिस ने कहा कि इस वर्ष अब तक आतंकवादियों से 130 पिस्तौल बरामद की गयीं।

26 मई को होगी ज्ञानवापी मामले की अगली सुनवाई

जिला-सैशन जज ने मुस्लिम पक्ष से उनकी आपत्तियां और जवाब पेश करने के लिए कहा

■ 26 मई को सबसे पहले ज्ञानवापी परिसर की "मेन्टनैबिलिटी" यानि रखरखाव के बिन्दू पर सुनवाई की जायेगी।

वाराणसी, 24 मई। ज्ञानवापी मामले में वाराणसी की जिला अदालत में मंगलवार को हुई सुनवाई के बाद कोर्ट ने दोनों पक्षों से सर्वे रिपोर्ट पर जवाब मांगा है, वहीं 26 मई को सबसे पहले "मैन्टेबिलिटी" पर सुनवाई होगी। इस मामले में दोनों पक्षों की ओर से कई याचिकाएं दाखिल की गई हैं। इससे पहले सोमवार को जिला जज ए. के.विश्वेश की अदालत ने करीब 45 मिनट तक दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद फैसला सुरक्षित रख लिया था।

सुप्रीम कोर्ट ने पिछले शुक्रवार को ज्ञानवापी श्रृंगार गौरी परिसर मामले को सिविल जज सीनियर डिवीजन की अदालत से जिला जज के कोर्ट में ट्रांसफर करने के निर्देश दिए थे। सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि मामले की संवेदनशीलता और जटिलता को देखते हुए यह बेहतर है कि कोई अनुभवी न्यायिक अधिकारी इस मामले की सुनवाई करे। अंजुमन इंतेजामिया मसाजिद कमेटी के अधिवक्ता मोहम्मद तौहीद खान ने कहा कि मुस्लिम पक्ष ने अदालत में याचिका दायर करके कहा है कि यह मुकदमा चलाने लायक नहीं है, इसलिए इसे खारिज किया जाए।

इसके अलावा ज्ञानवापी परिसर में मिले कथित शिवलिंग के नियमित पूजन-अर्चन के लिये अदालत में काशी विश्वनाथ मंदिर के महंत डॉक्टर कुलपति तिवारी ने सोमवार को याचिका दायर की है। तिवारी ने कहा, "मैं बाबा विश्वनाथ की तरफ से आया हूं। मैंने आज एक याचिका दाखिल कर अदालत से बाबा के नियमित दर्शन पूजन की मांग की है। मुझे बाबा के राग, भोग, सेवा और भक्तों को दर्शन की अनुमति दी जाय।" वहीं, जिला शासकीय अधिवक्ता महेंद्र पांडे की ओर से परिसर में स्थित मानव निर्मित तालाब के पानी में से मछलियों को हटाने और वजूखाने की पाइप लाइन को स्थानांतरित करने की मांग को लेकर एक याचिका गत मंगलवार को दाखिल की गई थी, जिस पर अदालत द्वारा सुनवाई होनी है।

गौरतलब है कि वाराणसी के सिविल जज सीनियर डिविजन रवि कुमार दिवाकर ने राखी सिंह तथा अन्य की याचिका पर ज्ञानवापी परिसर का वीडियोग्राफी सर्वेक्षण कराने का आदेश दिया था। सर्वेक्षण का यह काम पिछली 16 मई को पूरा हुआ था, जिसके बाद इसकी रिपोर्ट अदालत को सौंप दी गई थी। हिंदू पक्ष ने ज्ञानवापी मस्जिद के वजू खाने के अंदर कथित शिवलिंग मिलने का दावा किया था। इसी बीच उच्चतम न्यायालय में मुस्लिम पक्ष द्वारा दायर याचिका की सुनवाई की गई। मुस्लिम पक्ष की दलील थी कि ज्ञानवापी परिसर का सर्वेक्षण कराया जाना उपासना स्थल अधिनियम 1991 का उल्लंघन है। हालांकि, हिंदू पक्ष का दावा है कि सर्वेक्षण के दौरान परिसर के अंदर हिंदू धार्मिक चिह्न तथा अन्य चीजें मिली हैं।

कांग्रेस...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सलीम अहमद को शामिल किया गया है। उल्लेखनीय है कि उदयपुर में आयोजित चिंतन शिविर में कांग्रेस की अंतरिम अध्यक्ष सोनिया गांधी ने संगठनात्मक बदलाव की बात कही थी। साथ ही 2024 लोकसभा चुनाव की तैयारी के लिए पॉलिटिकल अफेयर ग्रुप और टास्क फोर्स के गठन का ऐलान भी किया था।

खास बात यह है कि कांग्रेस ने अपने नैशनल प्लान में प्रियंका गांधी के साथ -23 गुट के दो नेताओं गुलाम नबी आजाद और शशि थरूर को भी शामिल किया है।

'अगर ताईवान पर...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

जाता है और इनकी व्यूह रचना एशिया में चीन की बढ़ती मुखरता के विरोध में एक सीधा जवाब है। यह मुखरता खासतौर पर दक्षिण चीन सागर को लेकर है, जिसके लिए चीन अपना विशेष संप्रभु क्षेत्र होने का दावा करता है।

क्वाड संरचना यह सुनिश्चित करना चाहती है कि दक्षिण चीन सागर के पुराने वैश्विक शिपिंग कॉरिडोर्स में चीन, विशेष संप्रभु क्षेत्र के दावे को लेकर कोई व्यवधान ना डाल दे। यहां से भारी मात्रा में व्यापारिक माल गुजरता है और यहां किसी तरह के व्यवधान से क्वाड सदस्य देशों सहित मेजबान देशों के वैश्विक व्यापार एवं हितों को भारी क्षति पहुंच सकती है।

अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा है कि हम इस क्षेत्र में ताकत के बल पर यथा-स्थिति में परिवर्तन करने का कोई भी प्रयास अमेरिका को यहां संलिप्त होने के लिए प्रेरित करेगा। अमेरिका ने इस बारेमें अब तक "सामरिक अस्पष्टता" की एक नीति अपनाई हुई थी जिसका तात्पर्य यह है कि यदि ताइवान पर हमला होता है तो अमेरिका उसके समर्थन अथवा विरोध में कोई टिप्पणी नहीं करेगा।

राष्ट्रपति बाइडन ने "सामरिक अस्पष्टता" के स्थापित प्रोटोकॉल का पालन ना करने के लिए पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति जॉर्ज बुश को फटकार लगाई थी और अब सभी संबंधित पक्ष इसको लेकर आश्चर्यचकित हैं कि ताइवान पर आक्रमण की सूरत में अमेरिका की प्रतिक्रिया क्या होगी।

राष्ट्रपति बाइडन के बयान को अमेरिका की दीर्घकालिक "वन चाइना" पॉलिसी के असर देखा जा रहा है। चीन का दावा है कि द्विपीय देश ताइवान, वास्तव में चीन का हिस्सा है। अत: ताइवान को लेकर कोई भी घटनाक्रम चीन का आतंरिक मामला होगा।

अमेरिका ने औपचारिक रूप से ताइवान के साथ प्रत्यक्ष कूटनीतिक संबंध तभी से बंद कर रखे हैं जब राष्ट्रपति निक्सन ने चीन के साथ कूटनीतिक संपर्क और मेलभाव शुरु करने के लिए चीन की राजधानी का दौरा किया था।

चीन के आज अमेरिका को चेतावनी दी कि ताइवान यह किसी अन्य देश के हस्तक्षेप को चीन के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप के समान माना जाएगा। इसलिए, उसने कहा है कि ऐसे प्रयासों को सैन्य कार्रवाई से खदेड़ दिया जाएगा।

पूरा लब्बोलुआब यह है कि इन बयानों और इसके विपरीत आए बयानों ने ताइवान पर जबरन कब्जे की सूरत में अमेरिका-चीन के बीच सीधी झड़प का एक मंच तैयार कर दिया है। यह रूस-यूक्रेन युद्ध से भी अधिक गंभीर एक आग को भड़का सकता है।

अत: किसी भी पक्ष द्वारा जल्दबाजी में उठाए जाने वाले ऐसे कदमों के प्रति सावधानी बरतने की जरूरत है। निकट पड़ोस के ये घटनाक्रम भारत के हितों पर सीधा असर डाल सकते हैं।

भारतीय प्रशांत क्षेत्र में चीन की मुखरता और अपने पड़ोस में बलपूर्वक बदलाव करने के उसके प्रयासों पर लगाम कसने की जरूरत है ताकि वह भारत से लगती अपनी अनिश्चित सीमा पर ऐसा जोखिम उठाने की हिमाकत ना कर सके।

सलेक्टिव मीडिया, कोटा के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी रोड, कोटा से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा आर.एन.आई. नं. 28446/75, जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908